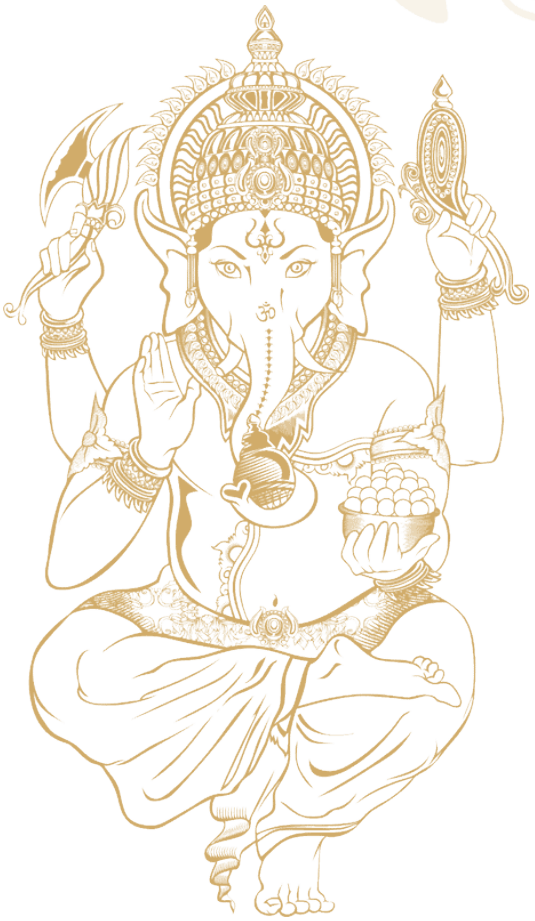

Mr.abhi

Ms.bhavna bhargav

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119683406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1995	जन्म तिथि	11/06/1997
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	16:52:00 घंटे
घटी 15:54:33	जन्म समय(घटी)	28:49:52 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Delhi
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:10	सूर्योदय	05:22:48
17:44:46	सूर्यास्त	19:18:48
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 5मा 23दि	26:23:41	धनु	लग्न	तुला	26:07:26	केतु 2वर्ष 9मा 21दि	
चन्द्र	02:37:21	तुला	सूर्य	वृष	26:45:11	सूर्य	
13/04/2021	13:40:45	सिंह	चंद्र	सिंह	07:58:53	02/04/2020	
14/04/2031	05:47:21	वृश्चि	मंगल	कन्या	02:54:41	03/04/2026	
चन्द्र 11/02/2022	14:28:17	कन्या	बुध	वृष	10:40:25	सूर्य 21/07/2020	
मंगल 12/09/2022	19:57:06	वृश्चि	गुरु व	मक	28:06:59	चन्द्र 20/01/2021	
राहु 13/03/2024	18:37:00	तुला	शुक्र	मिथु	15:05:49	मंगल 28/05/2021	
गुरु 13/07/2025	25:05:19	कुंभ व	शनि	मीन	24:23:59	राहु 21/04/2022	
शनि 12/02/2027	02:43:00	तुला	राहु व	कन्या	00:36:58	गुरु 07/02/2023	
बुध 13/07/2028	02:43:00	मेष	केतु व	मीन	00:36:58	शनि 20/01/2024	
केतु 11/02/2029	02:48:22	मक	हर्ष व	मक	14:30:50	बुध 26/11/2024	
शुक्र 13/10/2030	29:02:16	धनु	नेप व	मक	05:43:15	केतु 03/04/2025	
सूर्य 14/04/2031	05:23:58	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:57:01	शुक्र 03/04/2026	

लग्न-चलित

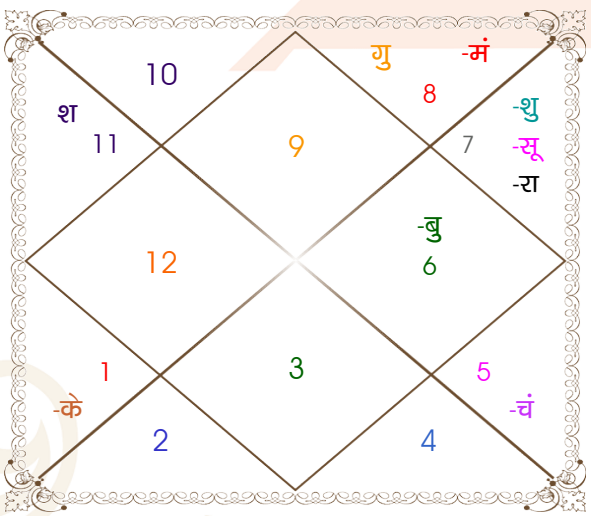

लग्न-चलित

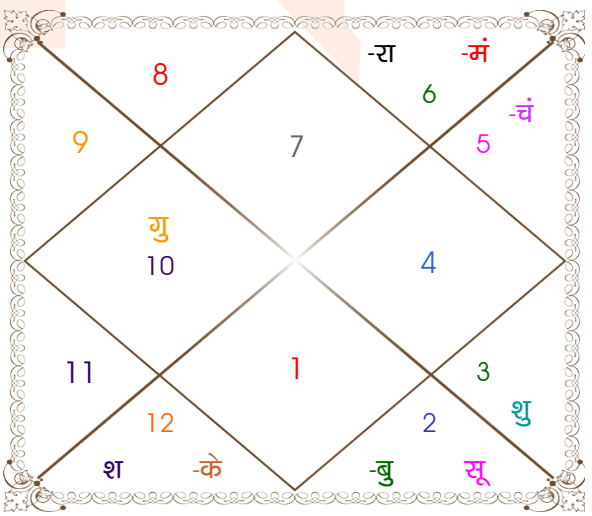

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr.abhi का वर्ग मूषक है तथा Ms.bhavna bhargav का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhi और Ms.bhavna bhargav का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.abhi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.bhavna bhargav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.bhavna bhargav कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.bhavna bhargav कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.bhavna bhargav कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.bhavna bhargav कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.abhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.abhi तथा Ms.bhavna bhargav में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।